

158
T. 10 PM

प्रेषक,

शैलेश बगौली,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
उत्तराखण्ड।

युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अनुभाग

देहरादून दिनांक : 14 जुलाई, 2017

विषय:- वित्तीय वर्ष 2017-18 हेतु जनपदों में कार्यरत क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रा0र0द0 अधिकारियों के वेतनआदि एवं अन्य विविध व्यय सम्बन्धी खर्चों के वहन हेतु अनुदान संख्या-19 में प्राविधानित बजट को अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-423/दो-लेखा-2899-A/2017-18 दिनांक 24.06.2017 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्यय के माध्यम से अनुदान संख्या-19 के लेखाशीर्षक-2515 में प्राविधानित कुल धनराशि ₹ 58132 हजार मात्र के सापेक्ष शासनादेश संख्या-116/VI-2/2017-51(10)16 दिनांक 26.04.2017 के द्वारा धनराशि ₹ 28182 हजार आपके निवर्तन पर रख दिये जाने के उपरान्त शेष बजटीय धनराशि ₹ 29950 हजार (₹ दो करोड़ निन्यानवे लाख पचास हजार) मात्र को संलग्नक 'क' के अनुसार आपके निवर्तन पर रखे जाने एवं निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जा रही है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 एवं शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01 अप्रैल, 2015, शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31 मार्च, 2016, शासनादेश संख्या-312/3(150)/XXVII(1)/2017 दिनांक 31 मार्च, 2017 तथा शासनादेश संख्या-610/3(150)/XXVII(1)/2017 दिनांक 30 जून, 2017 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

3- मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

4- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

5- व्यय बजट एवं परिव्यय की सीमान्तर्गत रहते हुए ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-19 के लेखाशीर्षक 2515-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम-00-001-पंचायती राज-19-युवा कल्याण (क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी) सम्बन्धी अधिष्ठान (2515-00-800-08-02 से स्थानान्तरित)-00 मानक मद के नाम संलग्नक-'क' के विवरणानुसार डाला जायेगा।

संलग्नक:-यथोक्त।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)
प्रभारी सचिव।

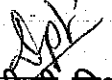
पृष्ठांकन संख्या-239 /VI-2 /2017-51(10)2016 तददिनांकित।

-2-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
2. वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा0 मंत्री, युवा कल्याण एवं प्रा0र0द0 को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
5. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
6. एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(दीप्ती मिश्रा)
अनुसचिव।